कोविड काल में बदला समाज

कुछ दिनों पहले तक हमारे देश कोरोना वायरस नामक महामारी के हाथ का खिलौना था। यह बात तो हम सब जानते है। हमारे देश के चरित्र में इतना बड़ा मुश्किल का सामना करना एक नई समस्या थी। हमारे घर -परिवार लोग हम से छूट गई और हम अब एक नई बदली हुई परिस्थिति में जी रही हैं। इस कठिन समय ने हमें बहुत कुछ सिखाया। बहुत दर्द और शिक्षा भी देकर चला गया। इस वायरस के प्रभाव अभी भी हम में बाकी है। हम में बहुत सारे बदलाव लाने में कोविड काबिल हुई है।

हमारे हर एक दिन पहले कितनी बेफिक्री से जीते थे हम। अब ज़रा देखो हमें, रोज़ हाथ - पैर साबुन से धोना, मास्क पहनना आदि हमारे ज़िंदगी का अविभाज्य भाग बन गया है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

कोविड एक ऐसी स्वच्छता का भाव हममें जगाया जो हम कभी भूल नही पाएगी। देश को और अपने आपको साफ-सुथरा रखने का संदेश हमें एक महामारी के आने की बाद ही मिला, यह दुःख की बात है।

कोरोना वायरस के आने के बाद एक नई दुनिया के खिडकी हमारे लिए खुला। इंटर्नेट के नए साधनताएँ हमें उपकार के रूप में मिला। इसमें सबसे ज़्यादा मदद हमें शिक्षण के क्षेत्र में मिला। विद्या छात्रों तक पहूँचाने के लिए हमने इ-लेर्निंग की सहायता ली। घर में बंद हुए निसहाय छात्रों को अपनी शिक्षण बाधा के बिना पूरी करने की मौका मिला। नेट-बांकिंग ओनलैन-षोप्पिंग, आदि ज्यादा मशहूर होने लगी और हम घर बैठे ही कुछ भी आसानी से पा सकती थी। घर में रहने के बावजूद भी हमारे आवश्यकताओं की पूर्ती करने की सुविधा थी। इस बात ने हमारे जीवन को आसान तो बना लिया, पर इसका कुछ बुरी

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 101

असर भी समाज में दिखने लगी।

हमारे देश का भविष्य यानी हमारे युवपीढ़ी मोबाइल, सामूहिक माध्यमों, इंटर्नैट आदि का गुलाम बन गया। उनके चिंता, सेहत, और कर्म में यह बहुत सारे बदलाव लाया। समाज के ज़्यादा लोग ऐसे ही थे। वे आसान जीवन के पीछे भागकर अपने ज़िंदगी अच्छी तरह जीना ही भूल गया। मनोरंजन केलिए लोग पहले खेतों में खेलते थे, तो अब मोबाइल में खेलते है। पूरे दिन एक कोने मे सिमटकर बैठने से इनका मन अंधेरे से भर जाती हैं। आजकल नौजवानों को ऐसे ही रहना पसंद है। बाहर की दुनिया से सारा संबंध काटकर इंटर्नैट पर सारी बातों केलिए आश्रय लेता है ये।

कभी - कभी हमें समाचारों में पढ़ने को मिलते है आजकल के बच्चों के कारनामे। लोग घर -परिवार, जीवन के मूल्यों - सब भूलकर कितनी गंदी हरकतें करती है। यह हमारे सोच की भी बाहर है।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 101

कभी - कभी अपने बेवकूफी और अश्रद्धा के कारण लोग इंटर्नेट के जालों में फँस जाते हैं। यह सब जाग्रता से पढ़ना चाहिए हमें। कोविड का वक्त अब बीत गया है और विद्यालय भी खुला हुआ है। हमारे युवपीढी को धीरे - धीरे इस नशे से मोचित करके ज़िंदगी में वापस लाना हम सबका कर्तव्य है। उन्हें फिर से रंग बिरंगे सपने दिखाना है और सिखाना है।

इंटर्नेट ने इस कठिन वक्त को पार करने में हमारा बहुत मदद भी किया था। इ - लेर्निंग की सुविधा आज भी हम इस्तेमाल कर रही हैं। विद्यार्थियों केलिए यह बहुत सहायक मार्ग है। इंटर्नेट के विडियो देखकर पढ़ने से हम आसानी से समझ जाते हैं और जिस बात हम समझ न पाई उसे फिर से देखकर समझ सकती हैं। कैट - विक्टेर्स जैसे चैनल से टीवी में पूरी तरह की क्लासें हमें

(Note: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

बिना किसी पैसे के मिले, तो यह कितनी अच्छी बात है। इस मार्ग से हमने शिक्षण किया था।

कोविड के वक्त बहुत सारे लोग अपने नौकरी खो बैठी। वे घर में रहकर अपने अंदर के सोया हुआ कलाकार को जगाया और हिम्मत न हारी। ~~ऐसे~~ कई सारे कलाकारों के बारे में मैंने देखा था टीवी पर। कोरोणा वायरस का आना, हममें प्रतीक्षा रखने का मनोभाव लाया। हमने हिम्मत न हारकर आगे बढ़ा। अभी भी हम इस महामारी से लड रही है और मैं जानती हूँ कि जीत हमारी ही होगी।

घर में अकेले रहते वक्त लोगों ने अपने अंदर की असली इच्छा को पहचाना। कई लोग कला के पीछे गया तो, कई लोग घर में सब्ज़ियाँ लगाने लगी, पेड-पौधे लगाने लगे और इसमें मनोरंजन पाया। अपने घर के आवश्य के सब्जी अपने घर में ही बनाना

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

इनका लक्ष्य था। कीडनाशकों के डर के बिना अच्छा खाना खाना इससे मुमकिन हुई।

कोरोणा या कोविड -19 ने हममें और समाज में बहुत सारे बदलाव लाया। उसमे कुछ अच्छे और कुछ बुरे हैं। लेकिन मुख्य बात ये है कि हमने उस मुशकिल घडी को एकता और हिम्मत के साथ सधैर्य पार किया। कोविड दिया हुआ चोटों से मुक्ति पाने केलिए हमें वक्त की जरूरत है। हम अपने समाज में जो भी काली असर फैला हुआ है, उस सबको मिटायेंगे और एकता से जीकर दिखाएँगे। कोविड चाहे कितना भी हमें पराजित करने की कोशिश करें हम हार नही मानेंग और आगे बढते जाएँगे कोविड के सीखें भी कभी भूलना नही चाहिए। हम एक एक पाँव ध्यान से रखकर समाज को उसकी पूर्वस्थिती में लौटाएँगे। यह मुशकिल की बात है, पर जब तक हम

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 645 Participant Code: 101

साथ है, तब तक जीत हमारी ही है। कोविड का दिया हुआ सबसे बड़ा सीख यह है कि परिस्थितियाँ हमारे कितने भी खिलाफ हो, अगर हम जागृता अकलमंदी और शांती से फैसले ले सकती है, तो हमारा विजय निश्चय है।

कोविड के समय हम घर में बंद थे, चार दीवारों के अंदर फँसे थे, पूरे देश में लोकडाउन थी। हमारा स्वतंत्रता हमसे छीनी गई। इसके वजह से हमारा बाहर से संबंध नही था और हम मानसिक रूप से परेशान होने लगे। उस वक्त घरवाले ही हमारा एक आश्रय था। परिवार के आपसी संबंध बढ़ाने में यह सहायक हुई। बाहर की खबरों केलिए हमें माध्यमों का आश्रय लेना पड़ा जो अडिक्शन में रुकी। हम बहुत सारे लोगों को इस हालत में देखते है। पर अच्छी बात यह है कि ऐसे लोगों केलिए आज समाज में आसानी से मदद मिल सकते है

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

Item Code: 645 Participant Code: 101

हमारा समाज उसके हर एक दोष केलिए हल ढूँढ रहा है। कोविड का छिपा हुआ बुरी प्रभाव का भी हल हम ढूँढेंगे और गिरते हुए समाज को अधिक्षेप के मूँह से बचाएँगे। इस लक्ष्य को पाने केलिए हम प्रतिज्ञा लेते हैं। एक अच्छी भविष्य के प्रतीक्षा में हम आगे बढ़ें और देश की उन्नति केलिए निरंतर परिश्रम करें। एक मशहूर कहना है "परिश्रम करनेवालों को कभी हार नही होगी"। इसे मन में रखकर समाज की अच्छाई केलिए हमें मिल-जुलकर काम करना चाहिए।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)